

पटका पुं. (तद्.) 1. वह दुपट्टा या रुमाल जो कमर बाँधने के काम आए; कमरबंद, कमरपेंच मुहा. पटका बाँधना- कमर कसना, सन्नद्ध होना, पकड़ना, किसी को किसी कार्य या घटना विशेष का उत्तरदायी अथवा अपराधी मानकर रोकना।

पटकान स्त्री. (देश.) 1. पटकने की क्रिया या भाव 2. पटके जाने की क्रिया या अवस्था 3. भूमि पर गिरकर लोटने या पछाड़ खाने की क्रिया।

पटकार पुं. (तत्.) 1. कपड़ा बुनने वाला, जुलाहा 2. कपड़े पर चित्र बनाये वाला चित्रकार 3. एक ऐसी लंबी रस्सी जिसे पटककर किसान खेत की चिड़ियाँ उड़ाते हैं 4. रस्सी के पटकने पर होने वाला शब्द या ध्वनि।

पटखनी स्त्री. (देश.) पटकने की क्रिया या भाव।

पटचित्र पुं. (तत्.) 1. कपड़े पर बनाया हुआ चित्र 2. सिनेमा के पर्दे पर चलने वाले चित्र, फिल्म।

पटच्चर सं. (तत्.) 1. जीर्ण वस्त्र, पुराना कपड़ा, चीथड़ा 2. चोर 3. एक प्राचीन देश जिसका उल्लेख महाभारत में तथा पुराणों में भी मिलता है।

पटजौट पुं. (देश.) 1. पट्टे पर जमीन लेने की प्रथा (वार्षिक किराए पर, घर बनाने के लिए जमीन लेन-देन का नियम, या रीति) 2. मकान बनाने के लिए ली गई जमीन पर लगने वाला सालाना कर 3. पट्टा कराना।

पटड़ा हि. (देश.) दे. पटरा।

पटड़ी स्त्री. (देश.) दे. पटरी।

पटतर पुं. (तद्.) 1. समता, बराबरी, समानता, तुल्यता 2. उपमा वि. (तद्.) 1. चौरस 2. हमवार 3. बराबरी का।

पटतरना स.क्रि. (देश.) बराबर ठहराना, समतुल्य एवं बराबर बताना, समान ठहराना।

पटतारना स.क्रि. (देश.) 1. भाले या खड़ग आदि शास्त्र को वार करने की मुद्रा में पकड़ना,

संभालना 2. ऊँची-नीची जमीन को समतल बनाने का प्रयास करना, उसे चौरस करना।

पटताल पुं. (तत्.) मृदंग का एक ताल।

पटत्क पुं. (तत्.) 1. तस्कर, चोर।

पटना अ.क्रि. (तद्.) 1. पाटा जाना, भर जाना, किसी गड्ढे या गहरे नीचे स्थान का भरकर आस पास की सतह के बराबर हो जाना; समतल हो जाना जैसे- कूड़े-करकट से गहरी खाइयाँ भी पट गई 2. किसी वस्तु का बाजार में अत्यधिक उपलब्ध होना, यथा- बाजार इन दिनों आम से पटे पड़े हैं, मुर्दों से युद्ध क्षेत्र पट गया (भर गया) है 3. मकान या कुएँ आदि के ऊपर कच्ची या पक्की छत बनवाकर उसे छायादार बनाना 4. मकान के ऊपर दूसरी मंजिल या कोठा बनाना 5. पानी से खेत को ऐसे सींचना कि पूरा पानी से पट जाए 6. दो मित्रों, मनुष्यों या परिचितों में विचार, भाव या रुचि के स्तर पर समानता होना, मन मिलना यथा उनकी खूब पटती है 7. सहमति होना यथा- सौदा पट गया, मामला पट गया 8. चुकता होना या कर देना यथा- कर्जा या ऋण पट गया 9. भारत की प्राचीन प्रसिद्ध नगरी पाटलिपुत्र जो आज बिहार राज्य की राजधानी भी है।

पटनिया वि. (देश.) 1. पटना नगर का 2. वह वस्तु जो पटना की बनी हो या वहाँ से लाई गई हो 3. पटना नगर या इस स्थान से संबद्ध।

पटनी स्त्री. (देश.) 1. ऐसा कमरा या कोठरी जिसके ऊपर कोई और कमरा या कोठरी बनी हो, पटौंहा 2. दराज बनाकर दीवार में लगायी जाने वाली ऐसी पटरी जिसमें सामान रखा जाता है 3. जमींदारी का वह अंश जो निश्चित लगान पर सदा के लिए तय कर दिया गया हो।

पटपट स्त्री. (अनु.) किसी वस्तु के गिरने से होने वाली ध्वनि या उसकी बार-बार आवृत्ति क्रि.वि. बराबर पट-पट ध्वनि करता हुआ यथा- पट-पट बारिश की बूँदे गिरना।